

श्रीतत्त्वार्थचिगम सूत्र परीक्षा
अध्याय प्रथम

कुल मार्क्स 50

A निम्नलिखित शब्दोंना अर्थ लखो.

- | | | | | |
|-----------|---------------|---------------|-------------|------------|
| 1. विधान | 2. अल्पवदुत्व | 3. अभिनिबोध | 4. व्यंजन | 5. उन्मत्त |
| 6. निसर्ग | 7. प्रमाण | 8. अनिन्द्रिय | 9. अनिश्रित | 10. स्मृति |

10x1=10

B खाली जग्या पूरो.

1. भवनपति अने ज्योतिष्क देवोनुं उत्कृष्ट अवधिज्ञान क्रमशः ऊर्ध्व अने अधो दिशायां _____ अने _____ प्रमाण छे. 10x1=10
2. _____ नय उपचारने पण माने छे.
3. विशिष्ट प्रसंगाने पार पाडवामां वीरवत्यनी जेम एकाएक उत्पन्न थती मति ते _____ बुद्धि छे.
4. मनःपर्यवज्ञाननो विषय अवधिज्ञानना विषयथी _____ भागे छे.
5. तिर्यंचो उत्कृष्ट अवधिज्ञान द्वारा द्रव्यथी _____ वर्णाना द्रव्योने जोड शके छे.
6. श्रुतज्ञान _____ पूर्वक ज होय छे.
7. मनःपर्यवज्ञान _____ थी _____ गुणस्थानक सुधी होय छे.
8. भूतकाव्यमां अनुभूत वस्तुने जोतां 'ते ज वस्तु आ छे' आबुं जे ज्ञान थाय, ते _____ ज्ञान छे.
9. निर्णय थया बाद ते वस्तुनो उपयोग टकी रहे ते _____ छे.
10. तात्त्विक दृष्टिर इन्द्रिय अने मनथी _____ नुं ज ग्रहण थाय छे.

C. खरा-खोटा बतावो.

1. व्यंजनाक्षर औपचारिक श्रुत होवाधी भावश्रुत छे.

10x1=10

2. विपुलप्रति मनःपर्यवज्ञान पक्षी अंतर्मुद्दूतमां अवश्य केवलज्ञान थाय छे.

3. जैन दर्शनमां अक्ष शब्दको आत्मा अर्थ स्वीकारिने इन्द्रियनी सहायधी प्रगट धतां प्रतिज्ञानने प्रत्यक्ष मानवामां आब्यो छे.

4. अथविग्रह थाय तो व्यंजनावग्रह होय ज छे पण व्यंजनावग्रह अथविग्रह वगर धतो नथी.

5. उत्सर्पिणी-अवसर्पिणी वन्नेमां श्रुतज्ञानको प्रारंभ त्रीजा आरामां थाय छे पण उत्सर्पिणीमां श्रुतको अंत पांचमां आरामां थाय छे.

6. चक्षुरिन्द्रिय अने मनधी धतां प्रतिज्ञानमां अवग्रह भेद होतो नथी.

7. एक जीवनी अपेक्षाए सम्यग्दर्शनको उत्कृष्ट काल साधिक 66 सागरोपम छे पण अनेक जीवनी अपेक्षाए सम्यग्दर्शनको उत्कृष्ट अंतर देशोने अर्थ पुद्गल परावर्तन छे.

8. प्रमाण शास्त्रनी दृष्टिरे सम्यग्दृष्टि जीवने व्याप्य पण विपरीत बोध धतो नथी.

9. सम्यग्दृष्टि द्वारा रचित श्रुतज्ञान वांचीने मिथ्यादृष्टि जीवने भावधी मिथ्या श्रुतज्ञान थाय छे पण मिथ्यादृष्टि द्वारा रचित शास्त्रधी सम्यग्दृष्टि जीवने प्रव्यधी सम्यग्श्रुतज्ञान थाय छे.

10. मोक्ष प्रत्ये राग संवेग कहेवाय अने बीजा उपर आवता क्रोधने शांत करवो, त अनुकंपा छे.

D. निम्नलिखित प्रश्नोना संक्षेपमां उत्तर लखो. (कोई पण पांच) 5x2=10

1. प्रतिज्ञानना बहु अने बहुविध प्रकारमां तफावत समजावो.

2. संवरनी द्रव्य अने भावधी व्याख्या लखो.

3. सुनय अने दुर्नयनी व्याख्या उदाहरण सहित लखो.

4. अवाधिज्ञान अने मनःपर्यवज्ञानना भेदने कोई पण व हेतुधी समजावो.

(3)

5. स्थापना अने द्रव्य निक्षेपने सोदाहरण समजावो.
6. मिथ्यादृष्टिना ज्ञान विपरीत कम छे, ते समजावो.
7. एक सम्यग्दृष्टि जीवन्तु सूचिक्षेत्रनी अपेक्षाए 8 राज क्षेत्र केवी रीते थाय छे?

E. निम्नलिखित प्रश्ननो उत्तर विस्तारधी लखो (प्रायः 125 थी 150 शब्दोंमें)

10x1 = 10

1. औपशमिक सम्यग्दर्शननी प्राप्तिनो क्रम समजावो.

अथवा

भौतिक सुख दुःखरूप ज कम छे, उदाहरण सहित समजावो.

अथवा

सात नयाना मत उदाहरण सहित समजावो.